IMPORT OF MACHINERY FOR GOVERNMENT PRESS, SANTRAGACHI

599. SHRI SARDAR AMJAD ALI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) the detailed list of the various machines imported for printing, monotype and monogramme lithoprinting for the Government Press at Santragachi in West Bengal; and

(b) whether all such machines have been commissioned; and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING (SHRI BHOLA PASWAN SHASTRI): (a) (i) 6 Printing Machines.

(ii) 8 Mono Key Boards.

(iii) 12 Mono Casting Machines.

(b) The machines at (i) above had been commissioned but those enumerated at (ii) and (iii) above have not been commissioned as the inspection of the machinery was delayed under misappreciation of method of inspection. The Manager has been instructed to carry out the inspection as per terms and conditions of acceptance of tender and commission thern immediately.

उचित मूल्य की दूकानें

*600. **श्री सवाई सिंह सिसोदिया** क्या कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मूल्यों में हो रही वृद्धि को रोकने के लिए देश भर में उचित मूल्य की कितनी दुकानें खोले जाने का विचार है ;

(ख) दिसम्बर, 1972 तक उचित मूल्य की कितनी दुकानें खोली जा चुकी हैं ;

(ग) इन दुकानों से कितने व्यक्तियों को लाभ हुआ ; और

(घ) उचित मूल्य की दुकानों पर किस प्रकार की वस्तुएं उपलब्ध की जाती हैं ?

f[FAIR PRICE SHOfS

600. SHRI SAWAISINGH SISO-DIA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the number of fair price shops proposed to be opened throughout the country to arrest the rise in prices;

(b) the number of fair price shops opened till December, 1972;

(c) the number of persons who were benefited by these shops; and

(d) the nature of goods which are being made available at the fair price shops?]

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहेब शिन्दे) : (क) और (ख) देश में दिसम्बर, 1972 तक कुल लगभग 1.65 लाख उचित मूल्य की दुकानें कार्य कर रही थी। हालांकि देश भर में खोली जाने वाली उचित मूल्य की दुकानों की संख्या के बारे में कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है, लेकिन राज्य सरकारों को यह परामर्श दिया गया है कि वे जहां कहीं आवश्यक हों, अतिरिक्त उचित मूल्य की दुकानें खोलें।

(ग) इन दुकानों से लगभग 411.70 लाख लोगों को फायदा पहुंच रहा है।

(घ) उचित मूल्य की दुकान से सामान्यतः गेहूं, गेहूं से बने पदार्थ, चावल, मोटे अनाज और लेवी चीनी जैसी प्रमुख जिन्सें वितरित की जाती हैं। इन दुकानों से सीमित मात्रा में खाने के तेलों और दालों का भी वितरण किया जा रहा है।

t[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB SHINDE): (a) and (b) The total number of fair price shops functioning in the country till December, 1972 were about 1.65 lakh. While no target has been fixed for the number of fair price shops to be opened throughout the country, the State Governments have been advised to open additional fair price shops as and where necessary.